

राजपत्न, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 23 जुलाई, 1988/1 श्रावण, 1910

हिमाचत प्रदेश सरकार

कार्यालय जिला दण्डाधिकारी, किन्नौर जिला कल्पा (हि0प्र0)

ग्रधिसूचना

किल्नौर, 17 जुलाई, 1988

सं0 वाग्र-केनर (ई) 12-1-III-3558-3607.—पिछते ग्रादेग संख्या खाद्य-केनर (ई) 12-1/82-III-1496-1539, देनाक 12-4-88 संख्या खाग्र-केनर (ई) 12-1/82-III-2607-2656, दिनांक 3-6-88 तथा संख्या खाद्य-केनर (ई) 12-1/82-III-2970, दिनांक 25-6-88 का प्रसंग जारी रखते हुए तथा हिमाचल प्रदंग जनाखोरी मुनाफा-खोरी उन्मूलन ग्रादेश, 1977 की धारा 3 (ग्राई)-ई की प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, प्रेम कुमार, जिला दण्डाधिकारी, जिला किन्नौर स्थित कल्पा, चिक्न तथा दूध के परचून भाव का निर्धारण निम्नलिखिन करता हूं जो कि समस्त जिला किन्नौर में तुरन्त लागू होगा:—

क्रम सं 0 1	वस्तु का नाम	समस्त करों सहित ग्रधिकतम परचून भाव 3
12.	मूर्गा डरेस्ड मुर्गा जीवित	32:00 प्रति किलो 28:00 ,,

1750-राजपत्न/88-23-7-88--1,259,

(1531)

मल्य: 20 पैसे

मीर क्योंकि उक्त पंच द्वारा दिया गया स्पष्टीकरण जांचने के पश्चात् सरकार इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि श्री शिव कुमार की भविष्य में सावधान अरहने की ह चेतावती देकश्र उनके विरूद चले मामले को समाप्त कर दिया जाए ।

1532 1

18.

गया था ।

न्तर्था (१) नाज प्राप्त प्रति । हे कि एक प्रति । है कि ए प्रदेग जमा बोरी मुकाभ-बोरी उन्मूलन सादेण, 1977 की धारा ३ (मा.)-र को पथन भी कि नि न मिना

> ग्रवर सचिव । नवस्त करा गांहत प्रधिकतम पानन भाव त्रा स्त वस्त का नाम

पनि किला मनी हरेरद 32.00 मंगी जीवित 28.00

ारिता अस्मिन्त्रक, मुद्रण तया लेखन सामग्री, हिमाचल प्रदेश, शिमला, इ. द्वारा सुद्रित तथा प्रश्लमित्रत १८८।